2015

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(Bhaktikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'मैथिल कोकिल' किसे कहा जाता है?

(ख) 'त्रिपुरारि' का तात्पर्य क्या है?

(ग) 'पद्मावती' कहाँ की राजकुमारी है?

(घ) सूरदास के गुरु का नाम क्या है?

(ङ) गोपियों ने उद्धव से क्या निवेदन किया था?

(च) कवि ने किसको 'पतितपावन' कहा है?

(छ) 'गीतावली' किनकी कृति है?

(ज) 'पद्मावत' के रचनाकार कौन हैं?

(झ) मीराबाई के सांसारिक पति का नाम् क्या है?

(ञ) रसखान की एक काव्य-कृति का नाम लिखिए।

2. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) विद्यापति की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

(ख) कबीर ने माया को 'महा ठगिनी' क्यों कहा है?

(ग) 'बीजक' के कितने खण्ड हैं? उनके नाम लिखिए।

(घ) सूरदास की भक्ति-भावना संबंधी दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) पद्मिनी के रूप-सौन्दर्य के बारे में लिखिए।

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) कबीर की भाषा के बारे में लिखिए।

(ख) आषाढ़ महीने में नागमती की विरहावस्था कैसी थी?

(ग) 'ऐसी मूढ़ता या मन की' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) भ्रमरगीत का मूल उद्देश्य क्या है?

(ङ) पठित पाठ के आधार पर 'विनय पत्रिका' का भावार्थ लिखिए।

(च) कवि रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) नन्द क नन्दन कदम्ब क तरूतर
धिरे धिरे मुरलि बजाव।
समय संकेत-निकेतन बइसल
बेरि बेरि बोलि पठाव।
सामरि, तोरा लागि
अनुखन बिकल मुरारि
जमुना क तिर उपबन उदबेगल
फिरि फिरि ततहि निहारी।

अथवा

कबीर सब जग ढूँढ़िया बुरा न मिलिया कोइ।
कबिरा सब काहू बुरा कबीरै बुरा न होइ।

(ख) जसुदा मदन गोपाल सुवावै।
देखि सुपन गति त्रिभुवन कंप्यो ईस विरंचि भ्रमावै।
असित अरून सित आलस लोचन उभै पलक पर आवै।
जनु रविगत संकुचित कमल जुग निसि अलि उड़न न पावै।

अथवा

सुनि मुनि बचन राम रूख पाई। गुर साहिब अनुकूल अघाई॥
लखि अपने सिर सबु छरू भारू। कहि न सकहिं किछु
करहिं बिचारू॥

5. (क) विद्यापति के भाव-पक्ष का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

सूरदास के वात्सल्य-वर्णन के बारे में लिखिए। 10

(ख) 'भरतविनय प्रसंग' के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। 10

अथवा

'मानसरोदक खंड' के मूल भावार्थ को व्यक्त कीजिए। 10

★★★